

PAWNBROKER : आधिग्रहीतृ (f. त्री) and sim. comp.s.

PAY (v.t.) : I. To discharge a debt : q.v. : ददाति or दत्ते (दा, c. 3.), to p. interest : वृद्धि ददाति, Kat. ; to p. a debt : ऋणं ददाति, M. II. To give p. : वेतनं ददाति (दा, c. 3. : with dat.), Viv. III. In gen. : मूल्यं ददाति, if a master discharges a servant before time, he shall p. him fully : स्वामी चेद् भृत्यकर्मपूर्णे काले जह्यात् तस्य सकलमेव मूल्यं दद्यात्. Viv. ; after being paid : मूल्यमादाय, Mat. IV. To revenge : शोधयति, परिशोधयति (c. of शुष्). V. To perform : करोति.

PAY BACK : प्रतिददाति (दा, c. 3.) : v. To pay, return.

PAY FOR : Ph. : I have paid f. it : अस्य मूल्यं मया दत्तम् ; you will p. your life f. it : *एतन्निमित्तं जीवनं हारयसि or जीवनदानेनास्य निष्कृतिं गमिष्यसि.

PAY OFF : v. To pay.

PAY (subs.) : (1) वेतनम्, after taking p. : गृहीत-वेतनः, Vri. ; the p. settled : कृतवेतनम्, Viv. ; (2) भृतिः (prop. maintenance), he is entitled to half the p. : भृतेरर्धं लभेत सः, Vriddha Manu ; (3) मूल्यम् (prop. price), shall p. his whole p. : सर्वमेव मूल्यं दद्यात्, Vishnu.

PAYABLE : (1) देय (f. या), प्र-, is p. to the master : तत्त्वामिने देयम्, Mit. ; is p. although the (whole) journey may not be over : अगतस्यापि देयं स्यात्, Viv. ; (2) परिशोध्य (f. ध्या : of debts).

PAYEE (subs.) : ग्रहीतृ (f. त्री), परि-, (=receiver).

PAYER : (1) दातृ (f. त्री), प्र- ; (2) often by verb.

PAYMENT : I. The act : (1) दानम् ; (2) परिशोधः, -नम् ; (of debts). II. Requit : q.v. : परिशोधः.

PAY-OFFICE : *ऋणशोधकुलम् and sim. comp.s.

PEA : (1) कलायः, He. (now gen. applied to Phaseolus radiatus) ; (2) सतिनः, -कः ; (3) सतिलः (ला).

PEACE (intej.) : शान्तम् : v. Silence, silent.

PEACE (subs.) : (1) शमः, it is very difficult to

make p. with such persons : तादृशेन शमः परमदुष्करः, Mah. v. 74. 5. ; let there be p. among you : शमोऽस्तु भवताम्, Vi. v. 55. ; (2) शान्तिः, as there may be p. among the Kurus : यथा यथैव शान्तिः स्यात् कुरुणाम्, Mah. ; breach of p. : शान्तिभङ्गः ; hold p. : शान्तो भव : v. Silence ; (3) सन्धिः (league : q.v.).

PEACEABLE : I. Disposed to peace : शान्तप्रकृति (mfn.) and sim. comp.s. II. Calm, quiet : q.v. : शान्त (f. न्ता), प्र-.

PEACEABLY : expr. by circumlo. : v. Also quietly.

PEACEFUL : (1) प्र-शान्त (f. न्ता=quiet, still) ; (2) निरुपद्रव (f. वा=without any disturbance, as a p. country) ; (3) निर्वृत्ति (f. ता=content, as a p. life) ; (4) मधुर (f. रा=sweet, as p. words).

PEACEFULLY : (1) प्रशान्तम् ; (2) निरुपद्रवम्, etc. : for dif. : v. Above.

PEACEFULNESS : (1) प्रशान्तता ; (2) निरुपद्रवता ; (3) निर्वृत्तिः : v. Above.

PEACE-OFFERING : नैवेद्यम् (बलिः gen. applied to animal-o.).

PEACH : no equiv. : *रामठः (n. for the fruit).

PEACOCK : (1) मयूरः ; (2) नीलकण्ठः ; (3) शिखण्डिन् (m.) ; (4) शिखिन् (m.). P.'s tail : (1) बर्हम् ; (2) शिखण्डः (rare) ; (3) कलापः. Eye in p.'s tail : (1) चन्द्रकः ; (2) मेचकः. P.'s cry : केका. A tuft of p.'s feathers : बर्हमारः, Ki. xvi. 15.

PEAHEN : (1) मयूरी ; (2) शिखण्डिनी ; (3) कलापिनी (rare).

PEAK : I. Of a mountain : (1) शिखरम् ; (2) शृङ्गम् ; (3) कूट (mn.) (rare), having three p.s : त्रिकूटः : v. Also summit. II. Of anything : अग्रम् : v. Tip.

PEAKED : तीक्ष्णाग्र (f. ग्रा) (of things) ; शिखरिन् (f. णी) etc. (of mountains).

PEAL (subs.) : (1) ध्वनिः ; (2) निनादः : v. Sound, noise.

PEAL (v.) : ध्वनति (ध्वन्, c. 1.) : v. To sound, ring.

PEAR : a fruit : no equiv. : *पीरम्, -फलम्.

PEARL : मुक्ता, -फलम्, sources of p.s : मौक्तिकयोनिः,